पाठ - 9 दिशाहीन दिशा (कविता) कार्यपत्रिका

1. सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रा वृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

बहुत बार सोचा था कि कभी समुद्र तट के साथ –साथ एक लंबी यात्रा करूँगा, परंतु यात्रा केलिए समय और साधन साथ –साथ मेरे पास कभी नहीं रहते थे । उन दिनों नौकरी छोड दी थी और पास में कुछ पैसे भी थे । इसलिए मैंने तुरंत चल देने का निश्चय कर लिया । पहले सोचा कि सीधे कन्याकुमारी चला जाऊँ और वहाँ से रेल, मोटर या नाव, जहाँ जो मिले, उसमें पश्चिमी समुद्र –तट के साथ–साथ गोआ या बंबई तक की यात्रा करूँ। रास्ते में जहाँ मन हुआ, वहीं कुछ दिन रह जाऊँगा ।

1. लेखक ने फौरन यात्रा करने का निश्चय क्यों किया ? 1

2. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

मैं कन्याकुमारी जाऊँगा । मैं कन्याकुमारी जाऊँ ।

हम गोआ चलेंगे । हम गोआ ------ ।

3. लेखक ने यात्रा करने का निश्चय किया । इस संबंध में लेखक की उस दिन की **डायरी** कल्पना करके लिखें । 4

अथवा

संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।

मोहन राकेश ने पहले सोचा था	यात्रा की कोई रूप रेखा नहीं थी ।
घर में चलते समय मन में	सीधे कन्याकुमारी चला जाऊँ ।
बहुत बार सोचा था	वहीं कुछ दिन रह जाऊँ ।
रास्ते में जहाँ मन हुआ	समुद्र तट के साथ-साथ एक लंबी यात्रा करूँ ।

2. सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

शिमला में हमारे स्कूल में कई लोग दक्षिण भारत के थे। उनमें से एक ने कहा था कि रहने के लिए कण्णूर बहुत अच्छी जगह है । एक और का कहना था कि मैं एक बार कोल्लम पहुँच जाऊँ, तो वहाँ से और कहीं जाने को मेरा मन नहीं होगा । दिल्ली में एक मित्र ने कहा था कि पश्चिमी समुद्र–तट पर गोआ से सुंदरदूसरी जगह नहीं है । वहाँ खुला समुद्र–तट है, एक आदिम स्पर्श लिए प्राकृतिक रमणीयता है और सबसे बडी बात यह है कि जीवन बहुत सस्ता है–रहने–खाने की हर सुविधा वहाँ बहुत थोडे पैसे में प्राप्त हो सकती है ।

1. लोग गोआ जाना क्यों पसंद करते हैं ? 1

2. **संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।** 4

कण्णूर	पश्चिमी समुद्र–तट पर सुंदर जगह है ।
कोल्लम	सबसे अधिक आत्मीयता प्रदान करती है ।
गोआ	रहने के लिए अच्छी जगह है ।
कन्याकुमारी	पहुँचे तो और कहीं जाने का मन नहीं होता है ।

अथवा

मोहन राकेश की चरित्रगत विशेषताओं पर **टिप्पणी** लिखें ।

* यात्रा करना पसंद करनेवाला * दोस्तों का प्यारा * प्रकृति प्रेमी

3. सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रा वृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के के उत्तर लिखें ।

घर में चलते समय मन में यात्रा की कोई बनी हुई रूप-रेखा नहीं थी । बहुत बार सोचा था कि कभी समुद्र तट के साथ –साथ एक लंबी यात्रा करूँगा, परंतु यात्रा केलिए समय और साधन साथ –साथ मेरे पास कभी नहीं रहते थे । उन दिनों नौकरी छोड दी थी और पास में कुछ पैसे भी थे । इसलिए मैंने तुरंत चल देने का निश्चय कर लिया । रात को गयारह के बाद हम लोग घूमने निकले । घूमते हुए भोपाल ताल के पास पहुँचे तो मन हो आया कि नाव लेकर कुछ देर झील की सैर की जाए । बूढे मल्लाह ने एक ग़ज़ल छेड दी । उसका गला काफी अच्छा था और सुनाने अंदास भी शायराना था ।

1. मोहन राकेश की बडी इच्छा क्या थी ? 1

2. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) यात्रा की रूप रेखा नहीं बनाया था । (ख) यात्रा की रूप रेखा नहीं बनाये थे ।

(ग) यात्रा की रूप रेखा नहीं बनायी थी । (घ) यात्रा की रूप रेखा नहीं बनायी थीं ।

3. मल्लाह की ग़ज़ल सुनकर अविनाश बहुत प्रभावित हुआ । इसके बारे में अविनाश की उस दिन की **डायरी** लिखें । 4

अथवा

अविनाश की चरित्रगत विशेषताओं पर **टिप्पणी** लिखें ।

4. सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

भोपाल स्टेशन पर मेरा मित्र अविनाश, जो वहाँ से निकलने वाले एक हिंदी दैनिक का संपादन करता था, मुझसे मिलने के लिए आया था । मगर बात करने की जगह उसने मेरा बिस्तर लपेटकर खिडकी से बाहर फेंक दिया और खुद मेरा सूटकेस लिए हुए नीचे उतर गया । इस तरह मुझे एक रात के लिए वहाँ रह जाना पडा ।

1.‘ मगर बात करने की जगह उसने मेरा बिस्तर लपेटकर खिडकी से बाहर फेंक दिया और खुद मेरा सूटकेस लिए हुए नीचे उतर गया। ‘
- अविनाश के इस आचरण से मोहन राकेश और अविनाश के बीच की मित्रता का क्या अंदाज़ मिल जाता है ? 2

2. प्रस्तुत प्रसंग के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य लिखें। 4

अथवा

ताल यात्रा के बारे में बताते हुए अपने मित्र के नाम अविनाश का **पत्र** कल्पना करके लिखें।

5. सूचना : ‘ दिशाहीन दिशा ’ यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

> दिल्ली में एक मित्र ने कहा था कि पश्चिमी समुद्र–तट पर गोआ से सुंदरदूसरी जगह नहीं है। वहाँ खुला समुद्र–तट है, एक आदिम स्पर्श लिए प्राकृतिक रमणीयता है और सबसे बडी बात यह है कि जीवन बहुत सस्ता है –रहने–खाने की हर सुविधा वहाँ बहुत थोडे पैसे में प्राप्त हो सकती है।

1. मोहन राकेश के मित्र के विचार में -------------------- ? 1
(क) पश्चिम तट का सबसे सुंदर स्थान गोआ है। (ख) पश्चिमी तट की सुंदर जगहों में गोआ का आखिरी स्थान है।
(ग) पश्चिमी तट पर गोआ से सुंदर जगहें हैं। (घ) पश्चिमी तट पर गोआ की कुछ भी विशेषता नहीं है।
2. गोआ की ज़िंदगी बहुत सस्ती है। लेखक के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? 2
3. मान लें, गर्मी की छुट्टियों में आप गोआ जाना चाहते हैं। इसकी जानकारी देते हुए अपने मित्र के नाम **पत्र** लिखें। 4

6. सूचना : ‘ दिशाहीन दिशा ’ यात्रा वृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

> घर में चलते समय मन में यात्रा की कोई बनी हुई रूप-रेखा नहीं थी। बस एक अस्थिरता ही थी जो मुझे अंदर से धकेल रही थी। समुद्र तट के प्रति मन में एक ऐसा आकर्षण था कि मेरी यात्रा की कल्पना में समुद्र का विस्तार अनायास ही आ जाता था। बहुत बार सोचा था कि कभी समुद्र तट के साथ –साथ एक लंबी यात्रा करूँगा, परंतु यात्रा केलिए समय और साधन साथ –साथ मेरे पास कभी नहीं रहते थे। उन दिनों नौकरी छोड दी थी और पास में कुछ पैसे भी थे । इसलिए मैंने तुरंत चल देने का निश्चय कर लिया । पहले सोचा कि सीधे कन्याकुमारी चला जाऊँ और वहाँ से रेल, मोटर या नाव, जहाँ जो मिले, उसमें पश्चिमी समुद्र –तट के साथ–साथ गोआ या बंबई तक की यात्रा करूँ। रास्ते में जहाँ मन हुआ, वहीं कुछ दिन रह जाऊँगा।

1. लेखक समुद्र-तट की यात्रा क्यों न कर न सके ? 1
2. मोहन राकेश अपनी लंबी यात्रा के बारे में दोस्त अविनाश से बातें कर रहा है। - इस प्रसंग के आधार पर **पटकथा** लिखें।

अथवा 4

मन पसंद किसी स्थान के बारे में एक टूरिस्ट गैड और लेखक के बीच का संभावित **बातचीत** तैयार करें।

7. सूचना : ‘ दिशाहीन दिशा ’ यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें ।

> भोपाल स्टेशन पर मेरा मित्र अविनाश, जो वहाँ से निकलने वाले एक हिंदी दैनिक का संपादन करता था, मुझसे मिलने के लिए आया था। मगर बात करने की जगह उसने मेरा बिस्तर लपेटकर खिडकी से बाहर फेंक दिया और खुद मेरा सूटकेस लिए हुए नीचे उतर गया। इस तरह मुझे एक रात के लिए वहाँ रह जाना पडा।

1. लेखक का मित्र अविनाश क्या करता था ? 1
2. **‘ मन हो आना ’**– इसका मतलब क्या है ? 1
(क) तिरस्कार करना (ख) इच्छा होना (ग) नाव खेना (घ) छोड देना
3. कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें। 2
- बाहर फेंक दिया। (खिड़की से, अविनाश ने)
- मेरा बिस्तर लपेटकर बाहर फेंक दिया।
- ----------------------।
- ----------------------।

4. ताल के पास आने पर लेखक और अविनाश के बीच हुए संभावित **वार्तालाप** कल्पना करके लिखें। 4

8. सूचना : ‘ दिशाहीन दिशा ’ यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

> रात को ग्यारह के बाद हम लोग घूमने निकले । घूमते हुए भोपाल ताल के पास पहुँचे तो मन हो आया कि नाव लेकर कुछ देर झील की सैर की जाए। नाव ठीक की गई और कुछ ही देर में हम झील के उस भाग में पहुँच गए जहाँ से चारों ओर के किनारे दूर नज़र आते थे । वहाँ आकर अविनाश के मन में न जाने क्या भावुकता आई कि उसने एक नज़र पानी पर डाली, एक दूर के किनारों पर, और पूर्ण चाहनेवाले कलाकार की तरह कहा कि कितना अच्छा होता अगर इस वक्त इसमें से कोई कुछ गा सकता । “ मैं गा तो नहीं सकता, हुज़ूर ”– बूढा मल्लाह हाथ जोडकर बोला। “ मगर आप चाहें तो चंद गज़लें तरन्नुम के साथ अर्ज कर सकता हूँ, और माशा अल्लाह चुस्त गज़लें हैं। “

1. नाव यात्रा में किसने गज़लें सुनाईं ? 1
(क) मल्लाह ने (ख) अविनाश ने (ग) लेखक ने (घ) मोहन राकेश ने

2. ताल यात्रा का विवरण करते हुए अविनाश उस दिन की डायरी लिखता है। वह **डायरी** कल्पना करके लिखें। 4

9. सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रा वृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के के उत्तर लिखें।

रात को गयारह के बाद हम लोग घूमने निकले। घूमते हुए भोपाल ताल के पास पहुँचे तो मन हो आया कि नाव लेकर कुछ देर झील की सैर की जाए। बूढे मल्लाह ने एक गज़ल छेड दी। उसका गला काफी अच्छा था और सुनाने अंदास भी शायराना था।

1. रात को कितने बजे के बाद वे घूमने निकले ? 1

(क) नौ (ख) दस (ग) ग्यारह (घ) बारह

2. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें।** 1

उससे लंबी यात्रा की जाती है। उससे लंबा सफर ----------------------।

3. मल्लाह की गज़ल सुनकर लेखक बहुत प्रभावित हुआ। इसके बारे में लेखक की उस दिन की **डायरी** लिखें। 4

अथवा

मल्लाह की गज़ल सुनकर अविनाश बहुत प्रभावित हुआ। इसके बारे में अविनाश अपने मित्र को पत्र लिखता है। मित्र के नाम अविनाश का **पत्र** कल्पना करके तैयार करें।

10. सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें।

वहाँ आकर अविनाश के मन में न जाने क्या भावुकता आई कि उसने एक नज़र पानी पर डाली, एक दूर के किनारों पर, और पूर्ण चाहनेवाले कलाकार की तरह कहा कि कितना अच्छा होता अगर इस वक्त इसमें से कोई कुछ गा सकता। " मैं गा तो नहीं सकता, हुज़ूर "– बूढा मल्लाह हाथ जोडकर बोला। " मगर आप चाहें तो चंद गज़लें तरन्नुम के साथ अर्ज कर सकता हूँ, और माशा अल्लाह चुस्त गज़लें हैं। "

1. नाव में बैठे अविनाश क्या सुनना चाहता है ? 1

(क) भाषण (ख) गाना (ग) तमाशा (घ) कहानी

2. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें।** 2

- गज़ल छेड दी। (चुस्त, बूढे)
- मल्लाह ने गज़ल छेड दी।
- ---------------।
- ---------------।

3. नाव में बैठे मल्लाह और लेखक के बीच आपस में बातें होती हैं। इस प्रसंग के आधार पर **पटकथा** लिखें। 4

11. सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें।

" मैं गा तो नहीं सकता, हुज़ूर "– बूढा मल्लाह हाथ जोडकर बोला। " मगर आप चाहें तो चंद गज़लें तरन्नुम के साथ अर्ज कर सकता हूँ, और माशा अल्लाह चुस्त गज़लें हैं। " " ज़रूर ज़रूर ! " हमने उत्साह के साथ उसके प्रस्ताव का स्वागत किया। बूढे मल्लाह ने एक गज़ल छेड़ दी। उसका गला काफी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था। काफी देर चप्पुओं को छोडे वह झूम –झूमकर गज़लें सुनाता रहा।

1. ' उसका गला काफी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था।'- यहाँ किसके बारे में कहते हैं ? 1

(क) अविनाश (ख) लेखक (ग) मल्लाह (घ) मोहन राकेश

2. **नमूने के अनुसार लिखें।** 1

मैं गज़ल गा सकता हूँ। तू गज़ल ---------------------।

3. भोपाल के आम जीवनी की ज़िंदगी में गज़लों का क्या रिश्ता है ? 2

4. **आशय समझकर सही मिलान करें।** 4

अंदर से धकेल रही थी	अपनेपन का भाव होना
अंतिम पडाव था	भीड भरी संकरी गली में
घने शहर की छोटी-सी तंग गली में	अंतिम लक्ष्य था
आत्मीयता का अनुभव होना	प्रेरित हो रहा था

अथवा

यात्रा करना सबको बहुत पसंद है। अपनी किसी मन पसंद यात्रा का ज़िक्र करके एक **यात्राविवरण** तैयार करें।

* कहाँ गए ? * कैसे गए ? * क्या-क्या देखे ? * मज़ेदार यादें ?

12. सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें।

बूढे मल्लाह ने एक गज़ल छेड़ दी। उसका गला काफी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था। काफी देर चप्पुओं को छोडे वह झूम–झूमकर गज़लें सुनाता रहा। एक के बाद दूसरी, फिर तीसरी। मैं नाव में लेटा उसकी तरफ़ देख रहा था। उस सर्दी में भी वह सिर्फ एक तहमद लगाए था। गले में बनीयान तक नहीं थी। उसकी दाढी के ही नहीं छाती के भी बाल सफेद हो चुके थे। जब वह चप्पू चलाने लगता तो उसकी मांसपेशियाँ इस तरह हिलतीं जैसे उसमें फौलाद भरा हो।

1. **‘ गला काफी अच्छा था ’** का मतलब क्या है ? 1

(क) आवाज़ मीठी थी । (ख) आवाज़ फुसफुसी थी ।

(ग) आवाज़ खराब थी । (घ) आवाज़ कमज़ोर थी ।

2. मल्लाह अब्दुल जब्बार की वेश-भूषा कैसी थी ? 2

3. भोपाल ताल की सैर के बारे में मोहन राकेश डायरी लिखता है । मोहन राकेश की संभावित **डायरी** लिखें । 4

अथवा

सही मिलान करें ।

समुद्र-तटों के प्रति	सुंदर समुद्र-तट हैं ।
गोआ में अनेक	गज़ल सुनाई ।
मल्लाह ने नाव में बैठकर	लेखक और मित्र लीन हो गए ।
बूढे मल्लाह के गायन में	मोहन राकेश का विशेष आकर्षण था ।

13. सूचना : ‘ दिशाहीन दिशा ’ यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

बूढे मल्लाह ने एक गज़ल छेड़ दी । उसका गला काफी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था । काफी देर चप्पुओं को छोडे वह झूम–झूमकर गज़लें सुनाता रहा । एक के बाद दूसरी , फिर तीसरी । मैं नाव में लेटा उसकी तरफ़ देख रहा था । उस सर्दी में भी वह सिर्फ एक तहमद लगाए था । गले में बनीयान तक नहीं थी । उसकी दाढी के ही नहीं छाती के भी बाल सफेद हो चुके थे । जब वह चप्पू चलाने लगता तो उसकी मांसपेशियाँ इस तरह हिलतीं जैसे उसमें फौलाद भरा हो ।

1. बूढे मल्लाह सर्दी में क्या पहनकर नाव चलाता था ? 1

(क) कमीज़ (ख) तहमद (ग) धोती (घ) पैंट

2. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- गज़लें सुनाता रहा । (झूम–झूमकर, बूढे)
- मल्लाह गज़लें सुनाता रहा ।
- –––––––––––––––---- ।
- –––––––––––––––––।

3. बूढे मल्लाह ‘ अब्दुल जब्बार ‘ की चरित्रगत विशेषताओं पर **टिप्पणी** लिखें । 4

* मेहनती * सादा जीवन बितानेवाला * अच्छा गज़ल गायक

* खुश मिज़ाज़ * विनयशील * गरीब

14. सूचना : ‘ दिशाहीन दिशा ’ यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

तीसरी गज़ल सुनाकर वह खामोश हो गया । उसके खामोश हो जाने से सारा वातावरण ही बदल गया । रात, सर्दी और नाव का हिलना, इन सबका अनुभव पहले नहीं हो रहा था, अब होने लगा । झील का विस्तार भी जैसे उतनी देर के लिए सिमट गया था, अब खुल गया ।

1. **‘ अर्ज करना ‘–** इसका मतलब क्या है ? 1

(क) यात्रा करना (ख) मज़ा उठाना (ग) पेश करना (घ) इनकार करना

2. ‘ उसके खामोश हो जाने से सारा वातावरण ही बदल गया । ‘– इससे आपने क्या समझा ? 2

3. भोपाल ताल में अब्दुल जब्बार और अविनाश के साथ की सैर का अनुभव मोहन राकेश दफ्तर के एक मित्र से बाँटना चाहते हैं । भोपाल ताल की सैर के अनुभवों के ज़िक्र करते हुए मित्र के नाम मोहन राकेश का **पत्र** लिखें । 4

15. सूचना : ‘ दिशाहीन दिशा ’ यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

“ अब हम लौट चलें साहब ”, कुछ देर बाद उसने कहा, “ सर्दी बढ रही है और मैं अपनी चादर साथ नहीं लाया । “ अविनाश ने झट से अपना कोट उतारकर उसकी तरफ़ बढा दिया । कहा, “ लो, तुम यह पहन लो । अभी हम लौटकर नहीं चलेंगे । तुम्हें कोई गालिब की चीज़ याद हो, तो सुनाओ । “

1. ताल के पास पहुँचते वक्त लेखक और मित्र को क्या इच्छा हुई ? 1

2. अविनाश ने अपना कोट उतारकर मल्लाह को दे दिया । इसकेलिए क्या –क्या कारण हैं ? 2

3. यात्रावृत्त के उपर्युक्त अंश के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य तैयार करें । 4

16. सूचना : ‘ दिशाहीन दिशा ’ यात्रावृत्त का अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

" अब हम लौट चलें साहब ", कुछ देर बाद उसने कहा, " सर्दी बढ रही है और मैं अपनी चादर साथ नहीं लाया । " अविनाश ने झट से अपना कोट उतारकर उसकी तरफ़ बढा दिया । कहा, " लो, तुम यह पहन लो । अभी हम लौटकर नहीं चलेंगे । तुम्हें कोई गालिब की चीज़ याद हो, तो सुनाओ । "

1. **नमूने अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

हम लौट जाएँ । हम लौट जाएँगे ।

आप काम करें । आप काम ------- ।

2. ताल यात्रा के बारे में मल्लाह अपने मित्र के नाम पत्र लिखता है । मल्लाह का **पत्र** कल्पना करके लिखें । 4

अथवा

पश्चिमी तट की यात्रा निश्चय ही अवाच्य अनुभूति प्रदान करेगी । गोआ काफी सुंदर जगह है । वहाँ की विशेषताओं को ध्यान में रखकर एक **विवरणिका (ब्रॉशर)** तैयार करें ।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRHS